

## 66वाँ महापरनिर्वाण दविस

### प्रलमिस के लयि:

महापरनिर्वाण दविस, बौद्ध धरु, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, गोलमेज सडुडेलन

### डेनुस के लयि:

डॉ. भीमराव अंबेडकर का संकुषुडित डरकिय एवं डारतीय सडाज डें उनका डहतुतुवडूरुण डुगदान

## करुा डें कुडुं?

हाल ही डें डुरधानडंतुरी ने [महापरनिर्वाण दविस](#) डर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर कु शरुदुधांजल अरुडति की और देश के लयि उनकी अनुकरणीड सेवा कु डाद कयि।

## डरनिर्वाण दविस कुा है?

- डरनिर्वाण जसु [बौद्ध धरु](#) के लकुषुडुं के साथ-साथ एक डुरडुख सदुधुांत भी डाना जाता है, यह एक संसुकृत का शडुद है जसुका अरुथ है डृतुडु के डाद डुकुतु अथवा डुकुष है।
  - बौद्ध गुरंथ [महापरनिर्वाण सुतुत \(Mahaparinibbana Sutta\)](#) के अनुसार, 80 वरुष की आडु डें हुई [डुगवान बुद्ध](#) की डृतुडु कु डूल महापरनिर्वाण डाना जाता है।
- यह 6 दसुडुडर कु डॉ. भीमराव अंबेडकर दवारा दयि गए सामाजकि डुगदान और उनकी डुडलडुधुडुं कु डाद करने के लयि डुनाया जाता है। [बौद्ध नेता](#) के रूड डें डॉ. अंबेडकर की सामाजकि सुथतुति के कारण उनकी डुणुडतुथुडु कु [महापरनिर्वाण दविस](#) के रूड डें जाना जाता है।

## डु. भीमराव अंबेडकर:

- डरकिय:
  - बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जनुड वरुष 1891 डें डहु, डधुड डुरांत (अड डधुड डुरदेश) डें हुआ थ।
  - उनुहें 'डारतीय संवधुान का जनक' डाना जाता है और वह डारत के डहले कानून डंतुरी थे।
    - वह संवधुान नरुडण की [डसुादा सडतुडु के अधुडकुष](#) थे।
  - डु. अंबेडकर एक सडाज सुधारक, वधुडवुतुता, अरुथशासुतुरी, लेखक, डहुडुषावदु, डुखर वकुता, वदुवान और धरुडुं के वकुरक थे।
  - उनुहुंने तीनुं गोलडेज सडुडेलनुं (Round Table Conferences) डें डुग लयि।
  - वरुष 1932 डें डॉ. अंबेडकर ने डहातुडा गांधी के साथ [डुना डैकुट](#) डर हसुताकुषर कयि, जसुसे उनहुंने दलतु वरुगुं (सांडुरदाडकु डुंघाट) हेतु डृथक नरुवाकन डंडल की डुांग के वकुरार कु डुडु दयि।
    - हालुंकु डुरांतीय वधुानडंडलुं डें दलतु वरुगुं के लयि सुरकुषतु सीटुं की संखुडा 71 से डुढाकर 147 कर दी गई तथ। केंदुरीड वधुानडंडल (Central Legislature) डें दलतु वरुगुं की सुरकुषतु सीटुं की संखुडा डें 18 डुरतशुतु की वृदुधु की गई।
  - हलुटन डुंग कडुीशन (Hilton Young Commission) के सडकुष डुरसुतुत उनुके वकुरारुं ने [डारतीय रजुडरुड डैकु](#) (Reserve Bank of India- RBI) की नीव रखुने का कारुड कयि।
    - उनुहुंने वरुष 1951 डें [हदु कुड डलु](#) डर डतुडेदुं के कारण केंडुनलु से इसुतुडुा दे दयि।
    - उनुहुंने [बौद्ध धरुड अडुना लयि](#)। 6 दसुडुडर, 1956 कु उनका नधुन हुु गय। [कैतुड डुडुडुडुई डें सुथतु भीमराव अंबेडकर का सुडारक है](#)।
  - वरुष 1936 डें वे वधुाडक (MLA) के रूड डें डुडुडे वधुानसडुा (Bombay Legislative Assembly) के लयि डुने गए।
  - वरुष 1942 डें उनुहें एक कारुडकारी सदसुड के रूड डें वडुसराय की कारुडकारी डरषुड डें नडुकुतु कयि गय।
  - वरुष 1947 डें डॉ. अंबेडकर ने सुवतंतुर डारत के डहले डंतुरडुडल डें कानून डंतुरी डुनने हेतु डुरधानडंतुरी जवाहरलाल नेहरु के नरुडुतुरण कु सुवीकार कयि।
  - हदु कुड डलु (Hindu Code Bill) डर डतुडेदु कु लेकर उनुहुंने वरुष 1951 डें केंडुनलु से इसुतुडुा दे दयि।

- उन्होंने बौद्ध धर्म को स्वीकार कर लिया तथा 6 दिसंबर, 1956 (महापरनिर्वाण दिवस) को उनका नदिन हो गया।

## महत्त्वपूर्ण कार्य:

- पत्रिकाएँ:

- मूकनायक (1920)
- बहिष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

■ पुस्तकें:

- जातपिरथा का वनिश
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बन गए
- बुद्ध और उनका धम्म
- हर्दि महिलाओं का उदय और पतन

- **સંગઠન:**

- बहष्कृत हतिकारणी सभा (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (1936)
- अनुसूचति जात फेडरेशन (1942)

- मृत्युः

- 6 दसिंबर, 1956 को उनका नधिनि हुआ ।
  - मुंबई में स्थति चैतय भूमिबी. आर. अंबेडकर का समारक है ।

- वर्तमान समय में अंबेडकर की प्रासंगिकता:

- भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दिलीपों ने **आरक्षण** के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासिल कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन किया है, कति सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शिक्षा) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है।
- सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है। यह आवश्यक है कि संवैधानिक नैतिकता की अंकेडकर की दृष्टि को भारतीय संविधान में स्थायी कषत से बचाने के लिये धार्मिक नैतिकता का समर्थन किया जाना चाहिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

**??????????**

प्रश्न. नमिनलखिति में से कनि दलों की स्थापना डॉ. बी आर अंबेडकर ने की थी? (2012)

1. द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया
2. अखिल भारतीय अनुसूचति जातसिंघ
3. सवतंतर लेबर पार्टी

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2  
(b) केवल 2 और 3  
(c) केवल 1 और 3  
(d) 1, 2 और 3

**उत्तर: B**

- द पीजेंट्स एंड वरकरस पार्टी ऑफ इंडिया का गठन वर्ष 1947 में पुणे के केशवराव जेधे, शंकरराव मोरे और अन्य लोगों द्वारा किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अखिल भारतीय अनुसूचित जातसिंह की स्थापना वर्ष 1942 में बी आर अंबेडकर ने की थी और इस पार्टी ने वर्ष 1946 के आम चुनावों में भाग लिया था। **अतः 2 सही है।**
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (आईएलपी) का गठन भी वर्ष 1936 में बीआर अंबेडकर द्वारा किया गया था, जिसने बॉम्बे के प्रांतीय चुनावों में भाग लिया था। **अतः 3 सही है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

**?????**

प्रश्न: अपसारी उपगामों और रणनीतियों के होने के बावजूद, महात्मा गाँधी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का दलितों की बेहतरी का एक समान लक्ष्य था। स्पष्ट कीजिये। (2015)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mahaparinirvan-diwas-2>

